गांधी सेतु से सटे पश्चिम में बनेगा गंगा पर नया पुल, सेतु के समानांतर पुल को पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड ने दी मंजूरी

नये पुल के बनने से आठ लेन का होगा गांधी सेतु

पटना/गया | हिन्दुस्तान टीम

गंगा पर बनने वाला नया पुल गांधी सेतु के पश्चिम (अप स्ट्रीम में) बनेगा। यह पुल भी चार लेन का होगा। पुराना गांधी सेतु और नया पुल दोनों सटा होगा। लिहाजा उस स्थान पर गंगा पार करने के लिए शहरवासियों को आठ लेन का पुल मिलेगा। पुल एक्स्ट्राडोज्ड तकनीक से बनेगा। ऐसे में इसका लुक चिरैयाटांड पुल की तरह होगा।

गांधी सेतु के समानांतर बनने वाले चार लेन पुल को पीआईबी (पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड) से मंजूरी मिल गई। एक हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत होने के कारण पीआईबी से इसकी मंजूरी जरूरी थी। पीआईबी से मंजूरी के बाद अब इस पुल के बनने का रास्ता साफ हो गया। ऐसे भी यह पुल प्रधानमंत्री के विशेष पैकेज योजना में शामिल है। केन्द्रीय पथ मंत्रालय ने इस वर्ष के प्लान में इस पुल को शामिल करते हुए इसके लिए तीन हजार करोड़ की व्यवस्था भी कर दी है। पुल के निर्माण में 2961 करोड़ रुपये लगेंगे।

पुल की ऊंचाई होगी अधिक : पुल के निर्माण पर केन्द्र और राज्य सरकार के बीच सहमति बनने के बाद इसका डीपीआर बनाने की जिम्मेवारी केन्द्रीय संस्था इंडियन एकेडमी ऑफ हाईवे इंजीनियरिंग को दी गई। डीपीआर में पुल को आधुनिक तरीके से बनाने का प्रवधान किया गया है। बाद में राज्य सरकार ने इस पुल को निर्माणाधीन गंगा पथ से भी जोड़ने का प्लान बनाया है। इसके अलावे पुल की ऊंचाई गंगा के अधिकतम जलस्तर से इतनी अधिक होगी कि नीचे से किसी पानी वाले जहाज को गुजरने में परेशानी नहीं हो। पुल का स्पैन 242 मीटर होगा।

नया निर्माण

- नए पुल का लुक चिरैयाटांड पुल की तरह होगा
- पुल को निर्माणाधीन गंगा पथ से जोड़ने की है योजना

03 हजार करोड़ की केंद्र ने व्यवस्था की

गांधी सेतु के समानांतर प्रस्तावित पुल कुछ इस तरह होगा।

04 लेन का नया पुल गांधी सेतु के पश्चिम (अप स्ट्रीम में) बनेगा

5.634 किमी होगी लंबाई

14.5 किमी होगी पहुंच पथ के साथ लंबाई

2961 करोड़ रुपये पुल बनने में लागत

जमीन उपलब्ध

खास बात यह है कि इस नये पुल के निर्माण के लिए लगभग 115 हेक्टेयर भूमि पहले से ही उपलब्ध है। यह जमीन महात्मा गांधी सेतु के निर्माण के दौरान अधिग्रहित की गई थी।

पुल की मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार को आभार। इसके बनने से राजधानी पटना का विस्तार गंगा नदी के उत्तर की ओर भी तेजी से होगा। कई नये इलाकों का विकास होगा। साथ ही उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार की संपर्कता और भी सुगम हो जायेगी। गांधी सेतु पर दबाव भी कम होगा।

- नंदकिशोर यादव, पथ निर्माण मंत्री